Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,
Online ISSN 2348-3083, SJ IMPACT FACTOR 2024: 8.058,
https://www.srjis.com/issues_data/233
PEER REVIEWED, REFEREED & INDEXED JOURNAL, APR-MAY 2024, VOL-12/63

माध्यमिक स्तर के उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर का तुलनात्मक अध्ययन

नीलम साहू
पी.एचडी शोधार्थी, श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर, छ.ग.
डॉ. सुरंजन कुमार
सहायक प्राध्यापक, श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर, छ.ग.

Paper Received On: 21 April 2024
Peer Reviewed On: 30 May 2024
Published On: 01 June 2024

Abstract

विश्व का प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्य के परिणाम को सही एवं सटीक जानकारी प्राप्त करना चाहता है। अध्यापक अपने विद्यार्थियों (उत्पादों) के शैक्षिक उपलब्धि (गुणवत्ता) की जानकारी के लिए मापन और मूल्यांकन की विविध प्रविधियों का प्रयोग कर करते हैं। शोधार्थी के मन में यह प्रश्न उत्पन्न हुआ कि क्या उच्च शैक्षिक उपलब्धि के विद्यार्थियों तथा निम्न शैक्षिक उपलब्धि के विद्यार्थियों के अभिवृत्ति स्तर में अन्तर है? इस प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने के लिए शोधाकर्ता ने इस अध्ययन हेतु 200 उच्च शैक्षिक उपलब्धि के विद्यार्थियों तथा 200 निम्न शैक्षिक उपलब्धि के विद्यार्थियो को न्यादर्श के रूप में लिया। निष्कर्ष में पाया गया कि उत्त्व एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धियों वाले विद्यार्थियों के अभिवृत्ति स्तर में सार्थक अन्तर पाया गया।

प्रस्तावना

शिक्षा मनोविज्ञान एक उभरता हुआ विषय है जिसने अपनी आवश्यकता एवं उपयोगिता से विश्व को परिचित कराया है। आज मनोविज्ञान के विकास के कारण ही शिक्षा का केन्द्र विन्दु बालक हो गया है।। शिक्षा मनोविज्ञान के विकास के पूर्व तक शिक्षक को शिक्षा में केन्द्रीय स्थान प्राप्त था। वर्तमान समय में मनुष्य को एक विवेकशील मनो सामाजिक प्राणी माना जाता है, जबकि मनुष्य जन्म से न तो सामाजिक प्राणी है और न ही असामाजिक प्राणी। वह समाज के साथ अन्तःक्रिया करके सामाजिक प्राणी बनता है। बालकों का अधिकांश व्यवहार का विकास परिवार, समाज, समव्यस्क समूह, सम्प्रदाय के रीति रिवाज एवं उसके विद्यालय के वातावरण द्वारा निर्धारित होता है। यदि इनका वातावरण अनुकूल होता है तो छात्रों का विकास सन्तुलित रूप से होता है। विद्यालय में बालक की औपचारिक शिक्षा की शुरूआत होती है और समय पर उसकी प्रगति का मापन, मूल्यांकन की विभिन्न विधियों द्वारा किया जाता है। विद्याथियों

Copyright@2024 Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

की शैक्षिक उपलब्धि पर उसके पारिवारिक, सामाजिक आर्थिक पर्यावरण के साथ साथ मनो शारीरिक गुणों, तकनीकी तथा जलवायु सम्बन्धी कारकों का प्रभाव उसके व्यक्तित्व पर पड़ता है।

करॉन बैक के अनुसार – ''अभिवृत्ति व्यक्ति के व्यक्तितव के अनुसार किसी प्रत्यय, विचार संस्था, स्थिति, परिस्थिति, व्यक्ति, वस्तु के प्रति उसके व्यवहारों को निर्धारिरत करती है। व्यक्ति स्वतंतापूर्वक क्या एहसास करता है? क्या चिन्त करता है? क्या विचार करता है? वही उसकी अभिव्यक्त अभिवृत्ति हैं।''

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

अध्ययन का शैक्षिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक दृष्टि से विशेष महत्व है, प्रारम्भिक शिक्षा को यदि शिक्षा की आधारशिला कहा जाता है, तो माध्यमिक शिक्षा को उसका भवन तो वही उच्च शिक्षा को उसका मुकुट कहा जाये तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगा। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने विजन 2020 में कहा कि भारत में विकास की धुरी युवा है और ये युवा तभी विकसित देश बना सकते है जब में अपनी मनोवृत्ति को बदलें, हम तभी विकसित हो सकते हैं। देश के युवाओं को विकास की राह दिखाने से पूर्व किशोरों को भटकाव से बचाना होगा क्योकि जो आज किशोर है बही कल का युवा है। क्योकि यह अवस्था किशोरावस्था के नाम पुकारी जाती है। किशेरावस्था को बाल्यावस्था और प्रौढ़ावस्था के मध्य सन्धिकाल माना जाता है। किशोरावस्था में अत्यधिक सर्वगात्मक उथल पुथल के कारण के जोवन का सबसे कठिनकाल भी माना गया है। किशोर शारीरिक एवं मानसिक रूप से बहुत ही शक्तिशाली एवं सक्रिय होते है पर अभिवृत्ति स्तर के दृष्टिकोण से अस्थिर। माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों की आयु प्रायः 14 से 18 वर्ष के मध्य होती है। सिंह (2017) ने स्नातक स्तर पर कला वर्ग, विज्ञान वर्ग एवं वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों की आबनंक्षा स्तर में सार्थक अन्तर पाया गया। माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को सांवेगात्मक अस्थिरता, तनाव का सामना करना पड़ता है। क्योंकि उच्च शैक्षिक उपलब्धि वाले किशोर समाज में स्थान एवं कैरियर के प्रति चिन्तित रहते हैं। यदि किशोरों के अभिवृत्ति स्तर का विकास सही ढंग से नहीं होगा, तो वह सही निर्णय लेने में सक्षम नहीं होगें। सामानिक दृष्टि से देखा जाय, तो सामाजिक मूल्यों, समाज के आदशों के पालन में अभिवृत्ति स्तर काफी हद तक उत्तरदायी है। किशोरों में वांछित आदतों का निर्माण करने, आवांछित आदतों को दूर करने तथा सन्तुलित व्यकित्व का निर्माण करने के लिए मनोवैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन का विशेष महत्व है। किशोरों की समस्याओं की पहचान करके तथा उनके अभिवृत्ति स्टर का विकास करके लक्ष्य निर्धारण में उनका मार्गदर्शन किया जा सकता है।

समस्या कथन

माध्यमिक स्तर के उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर का तुलनात्मक अध्ययन–

उच्च माध्यमिक स्तर – प्रस्तुत शोध में उच्च मध्यमिक स्तर से आशय माध्यमिक शिक्षा मण्डल छत्तीसगढ़, रायपुर से मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 11 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों से हैं।

उच्च शैक्षिक उपलब्धि – प्रस्तुत शोध में माध्यमिक शिक्षा मण्डल छत्तीसगढ़, रायपुर से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा 11 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के कक्षा–10 के प्राप्तांक प्रतिशत के आधार पर 75 प्रतिशत प्राप्तांक या 75 प्रतिशत से अधिक प्राप्तांक पाने वाले विद्यार्थी अर्थात् सम्मान सहित उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उच्च शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थी मानकर अध्ययन किया गया है।

निम्न शैक्षिक उपलब्धि – प्रस्तुत शोध में माध्यमिक शिक्षा मण्डल छत्तीसगढ़, रायपुर से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा 11 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के कक्षा–10 के प्राप्तांक प्रतिशत के आधार पर 33 प्रतिशत से अधिक पर 60 प्रतिशत प्राप्तांक से कम प्राप्तांक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अर्थात तृतीय श्रेणी में उत्तींण विद्यार्थियों को निम्न शैक्षिक उपलब्धि का विद्यार्थी मान कर अध्ययन किया गया है।

अभिवृत्ति स्तर – प्रस्तुत शोध में अभिवृत्ति स्तर के मानकीकृत परीक्षण पर प्राप्त प्राप्तांको को अभिवृत्ति स्तर माना गया है। जिसमें विद्यार्थियों की लक्ष्य भिन्नता, उपलब्धि भिन्नता एवं लक्ष्य तक पहुंचने से सम्बन्धित पक्षों का अध्ययन किया गया है।

शोध अध्ययन के उद्देश्यः

शोध अध्ययन के निम्न उद्देश्य है–

1. उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर के माध्य फलांकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर के आयाम लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांकों के माध्य फलांकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर के आयाम उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांकों के माध्य फलांकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध अध्ययन की परिकल्पनायेंः

शोध अध्ययन की शोध परिकल्पनायें निम्न है–

1. उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों के अभिवृत्ति स्तर के माध्य फलाकों सार्थक में अन्तर होता है।
2. उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर के आयाम लक्ष्य भिन्नता के माध्य फलांकों में सार्थक सार्थक अन्तर होता है।
3. उच्च एवं निग्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर के आयाम उपलब्धि भिन्नता के माध्य फलांकों में सार्थक सार्थक अन्तर होता है।

शोध विषय अध्ययन की शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन स्वरूप के अनुसार परिमाणात्मक शोध (iQuantitative research) है। जबकि अनुसंधान की प्रकृति के आधार पर वर्णानात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का शोध कहा जा सकता हैं।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध में जनसंख्या से आशय माध्यमिक शिक्षा मण्डल छत्तीसगढ़, रायपुर से मान्यता प्राप्त विद्यालयों से उच्च माध्यमिक स्तर के कक्षा 11 के उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि बाले समस्त विद्यार्थियों है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में इटावा जिला के माध्यमिक शिक्षा मण्डल छत्तीसगढ़, से मान्यता प्राप्त विद्यालयों से उच्च माध्यमिक स्तर के कक्षा 11 के उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों का चयन अध्ययन के न्यादर्श के रूप में किया गया।

न्यादर्शन विधियाँ

प्रस्तुत शोध अध्ययन में साधारण यादृच्छिक न्यादर्शन विधि से विद्यालयों का तथा उद्देश्यपूर्ण न्यादर्शन विधि से विद्यार्थियों का चयन किया गया।

उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रदत्तों के संकलन लिए डॉ. पी.सिंह द्वारा मानकीकृत अभिवृत्ति स्तर मापनी चर से सम्बन्धित प्रमाणीकृत परीक्षण का प्रयोग किया गया। इस परीक्षण में विद्यार्थियों के दस अभ्यास प्रयास है। जिसमें विद्यार्थियों के वर्तमान प्रयास का प्रत्याशा प्राप्तांकों एवं तात्कालिक पूर्व प्रयास का वास्तविक प्राप्तांकों को ज्ञात किया गया। इसके वाद उनके अन्तर से लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक ज्ञात का लिया गया है। इसी प्रकार उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक ज्ञात करने के लिए वर्तमान प्रयास का वास्तविक प्राप्तांक से वर्तमान प्रयास का प्रत्यासा प्राप्तांकों को घटाकर प्राप्त किया गया है। एक प्रयास के 30 सेकेंड का समय दिया जाता था। परीक्षण प्रशासन में लगभग 20 मिनट समय लगता है।

प्रदत्त संकलन

प्रस्तुत शोध अध्ययन में रायपुर जिला में माध्यमिक शिक्षा मण्डल छत्तीसगढ़, से मान्यता प्राप्त विद्यालयों से उच्च माध्यमिक स्तर के कक्षा 11 के विद्यार्थियों की परीक्षा के प्राप्तांक द्वितीयक आंकड़ों के रूप में एवं अभिवृत्ति स्तर चर के मापन के लिये मानकीकृत परीक्षण अभिवृत्ति स्तर मापनी द्वारा प्राप्त आंकड़े प्राथमिक आंकड़ों के रूप में प्रयोग किये गये है।

Copyright@2024 Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language

शोध निष्कर्ष

1. उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर के माध्य फलांकों में सार्थक अन्तर पाया गया। उच्च शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों का अभिवृत्ति स्तर निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर की अपेक्षा अधिक पाया गया तथा सांख्यिकीय रूप में भी सार्थक पाया गया।
2. उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों के अभिवृत्ति स्तर के आयाम लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक के माध्य फलांकों में सार्थक अन्तर पाया गया। उच्च शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों का अभिवृत्ति स्तर निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर के आयाम लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक की अपेक्षा अधिक पाया गया।
3. उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों के अभिवृत्ति स्तर के आयाम उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक के माध्य फलांकों में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। उच्च्च शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों का अभिवृत्ति स्तर निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अभिवृत्ति स्तर के आयाम उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक की अपेक्षा अधिक पाया गया। लेकिन सांख्यिकीय रूप में सार्थक नहीं पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

अस्थाना, विपिन, अस्थाना, विजया एवं अन्य (2008). शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यकीय, आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन।

अस्थाना, पंकज (2006). माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की गणितीय उपलब्धि पर आकांक्षा स्तर, चिन्ता तथा अध्ययन की आदतों के प्रभाव का अध्ययन, शिक्षाशास्त्र, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर।

गुप्ता, एस पी एवं गुप्ता अलका (2011) अनुधान संदर्शिका, सम्प्रत्यय, कार्यविधियां, प्रविधियां, इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन।

गुप्ता, एस. पी. एवं गुप्ता अलका (2017). उच्च्चतर शिक्षा मनोविज्ञान सिदान्त एवं व्यवहार, इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन।

लाल, रथन धिहारी एवं शर्मा, कृष्णकान्त (2013). भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास, समस्यायें, मेरठ, आर । लाल बुक डिपों प्रकाशक।

मंगल, एस. के. (2010). शिक्षा मनोविज्ञान, दिल्ली, पो० एच० आई० लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड।

सिंह, अरुण कुमार (2010). मन्हेविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां, पटना, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशक।

सिंह, गया एवं राय, अनिल कुमार (2013). शैक्षिक अनुसंधान की विधिया, मेरठ, आस. लाल बुक डिपों प्रकाशक।

सिंह, राम बाबू (2012). स्नातक स्तर पर कला वर्ग, विज्ञान वर्ग एवं वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों की जीविका वरीयता, समायोजन तथा अभिवृत्ति स्तर का तुलनात्मक अध्ययन, शिक्षाशास्त्र, अप्रकाशित भाोध प्रबंध।